सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : द्वितीय	वर्ष : 2022-23
विषय: संस्कृत				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A2-SANS2T**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	महाकाव्य एवं नाटक (प्रश्न पत्र 2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/एलेक्टिव/जेनेरिक एलेक्टिव/वोकेशनल/....)	मेजर-2/माइनर/वैकल्पिक		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संस्कृत का .....अध्ययन कक्षा/बी.ए. प्रथम वर्ष प्रमाणपत्र उत्तीर्ण किया हो ।. इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयो के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप मे चुना जा सकता है :- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्रों को काव्य विधाओं से परिचित कराना । 2. छात्रों को आश्रम के नियमों तथा गौ-सेवा की महिमा का बोध कराना । 3. नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान । 4. रंगमंचीय प्रयोग तथा नाट्यलेखन की विधा का परिचय । 3. छात्रों में अभिनय कला का विकास तथा अभिरुचि संवर्धन । 4. छात्रों को प्राचीन नाट्यकारों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना । 5. छात्रों को जीवन मूल्यों एवं नैतिक दायित्व की शिक्षा प्रदान कराना ।		
6	क्रेडिट मान	**06**		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30 + 70		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे मे) : **L-T-P:- 03**		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	(अ) रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग (पाठ्यांश की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न) (ब) महाकाव्य का स्वरूप एवं प्रमुख महाकाव्यों का परिचय (कुमारसम्भवम्, रघुवंशम्, किरातर्जुनीयम्, शिशुपाल वधम्, नैषधीयचरितम्) ।	**15**
II	नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय से नाट्योत्पत्ति एवं नाट्यप्रयोजन से संबंधित पाठ्यांशो की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न ।	**15**

15.2.22.
(Prof. K.B. Pandya)

III	नाट्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्द : नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, प्रवेशक, विष्कम्भक, विदूषक, स्वगत, प्रकाश एवं भरतवाक्य।	**15**
IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक (पाठ्यांशो की व्याख्या एवं सम्पूर्ण नाटक से समीक्षात्मक प्रश्न)।	**15**
V	संस्कृत नाटक : संस्कृत के प्रतिनिधि नाट्यकार एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय। (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भवभूति, एवं भट्टनारायण)	**30**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : शास्त्र, नाट्य, काव्य, महाकाव्य, नाटक, प्रतिनिधि।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्यपुस्तक- चतुष्टयी, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

संदर्भ ग्रंथ :

1. "रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग" (कालिदास रचित) आचार्य शेषराज शर्मा रेगनी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. "रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग"-श्री कृष्णमणी त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. "रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग"-जयकिशन खण्डेलवाल, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
4. "नाट्यशास्त्रम्"-भरतमुनि प्रणीत) बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्"-कालिदासकृत, कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. "संस्कृत नाटक"-ए.बी.कीथ-अनुवादक उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
7. "संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास"-डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
8. "संस्कृत साहित्य का इतिहास"-आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. "लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास"-राम विलास चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. "नाट्यशास्त्र का इतिहास"-पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
11. "आधुनिक संस्कृत नाटक"-आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. "संस्कृत नाट्य सिद्धांत"-डॉ. रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
13. "संस्कृत नाट्य कोश"-डॉ. राम सागर त्रिपाठी I-II भाग चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
14. "संस्कृत नाट्य कला"-डॉ. रामलखन शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली।
15. "नाट्यशास्त्रम्" (भरतमुनि) सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
16. "नाट्यशास्त्र"- प्रीति प्रभा गोयल राजस्थान ग्रंथागार जोधपुर।
17. "नाट्यशास्त्र" बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक-ई-सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in

15.2.22
(Prof. K. B. Panda)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम : शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit, Kota Vishwavidyalay, Kota		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ : लिखित परीक्षा, सतत आंतरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न निर्माण। अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) : समय-03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 70
कोई टिप्पणी/सुझाव :		

15.2.22.
(Prof. K.B. Panda)